



# छुपन छुपाई!

**Author:** Samvida Venkatesh

**Illustrator:** Sandhya Prabhat

**Translator:** Vanshika Goyal

पठन स्तर २



आज सानिया बहुत खुश है। वह आज छह साल की जो हो गयी है।

पापा उसके लिए अपनी खास पाव-भाजी बना रहे हैं। सानिया के सारे पक्के दोस्त उसके जन्मदिन की पार्टी में आयेंगे- अमन, ज़ोया, हरप्रीत, जूड, करन, मरिया, रोहन और शान, और प्रिया भी जो हरदम सब पर धौंस जमाती रहती है।



खट-खट! मरिया ने दरवाज़ा  
खटखटाया। वह खूब बड़ा तोहफ़ा लाई  
है!

खट-खट! खट-खट!

जल्दी ही उसके सभी नौ दोस्त आ गए।

**अब आएगा मज़ा!**



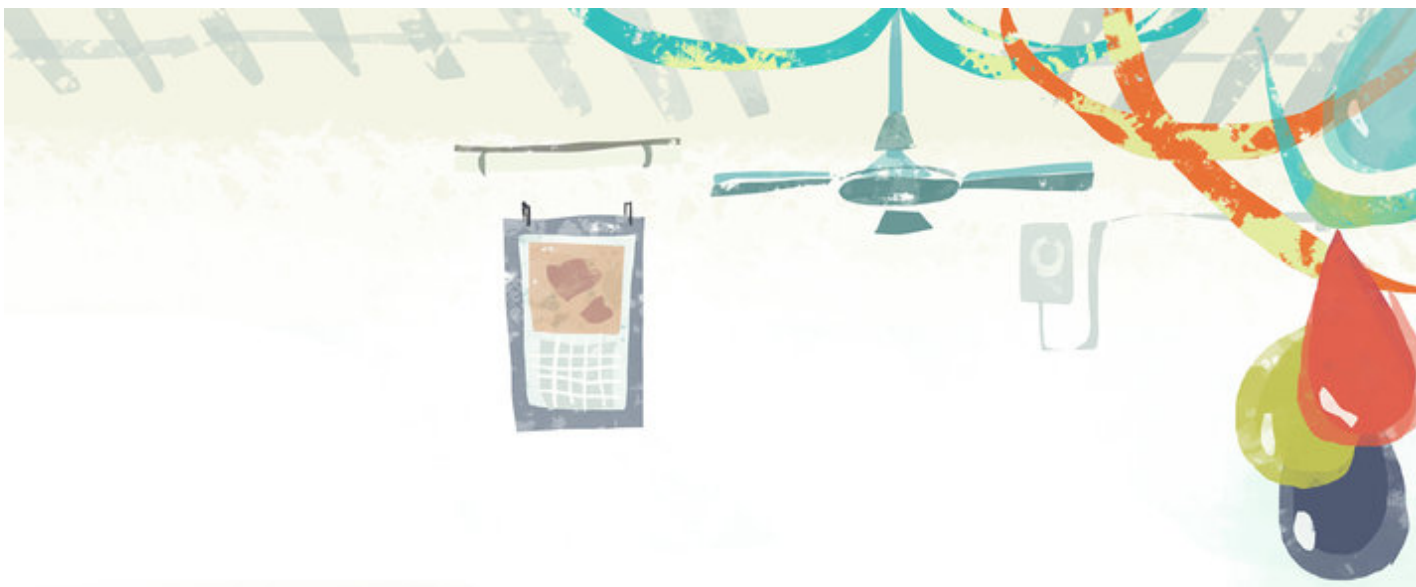




"चलो, छुपन-छुपाई खेलते हैं!"  
सानिया ने सुझाया।

सानिया को छुपन-छुपाई बहुत पसंद है,  
क्योंकि उसे बिना कोई भी आवाज़  
किये कहीं छुपे रहना आता है। एक बार  
तो वह ऐसे छुपी की मरिया एक घंटे  
तक उसे ढूँढ ही नहीं पाई।

"जिसका जन्मदिन है उसे गिनती  
गिननी चाहिए, और हम सब  
छुपेंगे," प्रिया ने हमेशा की तरह धौंस  
जमाई।



खट-खट!

अब कौन हो सकता है?

दरवाज़े पर जूड के पापा थे। वह एक बड़े होटल की गाड़ी चलाते हैं।

"मुझे अचानक काम पर बुलाया गया है। घर पर जूड की छोटी बहन अकेली है, जूड को उसकी देखभाल के लिए घर जाना होगा," वह बोले। "सॉरी जूड! जन्मदिन मुबारक हो सानिया!"





जूड उदास होकर चला गया। सानिया भी उदास थी।

अब पार्टी में सिर्फ़ **आठ** ही मेहमान रह गए थे।

"अब चलो भी!" प्रिया ने धौंस जमाते हुए कहा। "खेल शुरू करो भई!"

सानिया ने प्रिया को घूर कर देखा, फिर आँखें बंद करके गिनती शुरू कर दी।







"एक, दो, तीन..." करन झटपट गलीचे में लिपट गया।

"चार, पाँच, छः..." प्रिया टांड पर जाकर दुबक गयी।

"सात, आठ, नौ..." हरप्रीत दरवाज़े से बाहर की ओर दौड़ी।

"दस!" सानिया ने ज़ोर से गिनती पूरी करते हुए कहा, "चाहे कोई छुपा हो या नहीं, मैं तो आ रही हूँ!"





**आठ** लोगों को ढूँढना था!

सानिया कमरे में घूम-घूम कर अपने छिपे साथियों को ढूँढ रही थी कि चटाई से ठोकर खा कर गिर गई।

"**ओह!**" गिरते ही सानिया की आह निकल गयी।

"**ओह!**" चटाई से भी वैसी ही आवाज़ आई।

रोआँसी सी सानिया अचानक चहक उठी, "आइस-पाइस करन!" बेचारा करन!

अब कितने बचे ढूँढने के लिए? **सात!**





"भौं, भौं, भौं!" सानिया का कुत्ता राजा एक गुलाबी दुपट्टा लिए कमरे में घुस आया। उसके पीछे ज़ोया दौड़ती आयी।

"बड़ा बुरा है! वह चिल्लायी।

नटखट कुत्ता!"

"आइस-पाइस ज़ोया!" सानिया खुशी से उछल पड़ी!

यूँ ही मिल गयी! बड़ा मज़ा आया!

अब ढूँढने को कितने बचे?  
कुल छः!



सानिया तेज़ी से सोने के कमरे में जा घुसी।

गद्दों के पीछे कोई नहीं।

न कोई संदूक के अंदर।



तभी किसी ने छींक मारी!  
**अरे!** ये कपड़ों की अलमारी!

सानिया ने उसका दरवाज़ा खोला।  
"आ... **छीं!** रोहन फिर छींका।

"बहुत धूल है यहाँ," अमन हड़बड़ा कर बोला।

"आइस-पाइस रोहन और अमन!"

सोनिया ने ताली बजायी।

ढूँढने को बचे अब कितने? **चार!**





सानिया जा पहुँची छत पर। उसे लगा कि पानी की टंकी के पीछे कुछ हिला। दबे पाँव सानिया आगे बढ़ी।

"माँऊँ..." बिल्ली रस्सी पर सूख रहे कपड़ों के ऊपर से कूद कर गुर्राई। वह माँ की साड़ी से टकरायी।

"**आ...आ!**" एक चीख के साथ माँ की साड़ी गिरी ज़मीन पर, बना उसका ढेर!

"आइस-पाइस शान!" चहक कर बोली सानिया, नहीं लगायी देर।

अब कितने बचे ढूँढने को? **तीन!**







**"हरर्र, दूर हट! पास न आ! भाग जा!"**

बगीचे से आवाज़ आयी। तो सानिया ने उसी ओर दौड़ लगायी। वहाँ गुड़हल की झाड़ के पीछे दो डरी हुई लड़कियाँ और एक मोटी सी मधुमक्खी उसे नज़र आयी।

"आइस-पाइस हरप्रीत!... और मरिया!" सानिया ने आवाज़ लगायी। और खुद मधुमक्खी से दूरी बनायी।

अब कितने और ढूँढने बाकी हैं?  
**बस एक!**





बेहद मज़ेदार पाँव-भाजी की महक छा गयी घर में। और सानिया का पेट लगा गुड़गुड़ाने।

"केक काटने का समय हो गया है, सानिया!" माँ ने पुकारा। "हम सब इंतज़ार कर रहे हैं।

जब सब ने गाना शुरू किया - हैप्पी बर्थडे टू यूsss ...तभी आवाज़ आई, "अरे सुन! तू अभी तक मुझे नहीं ढूँढ पायी।"



"आइस-पाइस, प्रिया!" हँसी रोकते हुए सानिया बोली। और, "केक खा!" कहते हुए केक का टुकड़ा उसकी ओर बढ़ाया। हरप्रीत खिलखिलायी। ज़ोया ने अपनी हँसी दबायी। पर कोई हँसी रोक न सका।

"ऐसे मज़ाक उड़ाओगे तुम लोग..." प्रिया ने मुट्टी बांधकर हाथ हिलाया।

पकड़ छूटते ही गिरी टांड से! "धड़ाम!" बच गयी! नहीं लगी चोट, नीचे था तकियों का ढेर!

सानिया हँसी नहीं। उसने प्रिया को उठाया। और केक का बड़ा सा टुकड़ा उसकी ओर बढ़ाया।

"शुक्रिया, सानिया!" बोली प्रिया। अब नहीं थी उसकी आवाज़ में नाराज़गी।

"जन्मदिन मुबारक हो, सानिया!" सानिया मुस्करायी।

अब कितने बचे? सानिया ने हिसाब लगाया।

**"ज़ीरो!"**





## हमने सीखा

सानिया के नौ दोस्त पार्टी में आये। जूड के पार्टी से चले जाने के बाद नौ में से एक कम हो गया और रह गए आठ। इसे हम ऐसे भी लिख सकते हैं -

$$9 \text{ (दोस्त)} - 1 \text{ (जूड)} = 8 \text{ बचे हुए दोस्त}$$



जब छः दोस्तों को ढूँढना बाक़ी था, तब सानिया ने रोहन **और** अमन को ढूँढ निकाला। अब छः में से **दो और कम बचे** ढूँढने के लिए। यानी **छः में से दो** अलग हो गए, या **हट गए**।

हम इसे ऐसे भी लिख सकते हैं - 6 (दोस्त) - 2 (रोहन और अमन) = 4 (बचे दोस्त)

किसी बड़ी संख्या में से छोटी संख्या को निकाल लेने या कम कर देने को **घटाना** कहते हैं। और घटाना सिर्फ दोस्तों की गिनती के लिये ही नहीं, और कई परिस्थितियों में भी काम आता है।



राजमा के दानों के साथ भी ऐसा किया जा सकता है। अगर हम राजमा के नौ दानों में से तीन दाने अलग निकाल दें तो कितने दाने बचेंगे?



$$9 \text{ दाने} - 3 \text{ दाने} = \underline{\quad} \text{ दाने}$$

ठीक ऐसा ही रुपये के सिक्कों के साथ भी किया जा सकता है।

अगर हम 8 रुपयों में से 4 रुपये निकाल लें, तो बताओ कितने रुपये बचेंगे?



$$8 \text{ रुपये} - 4 \text{ रुपये} = \underline{\quad} \text{ (बचे रुपये)}$$

है न मज़ेदार?





### Story Attribution:

This story: छुपन छुपाई! is translated by [Vanshika Goyal](#). The © for this translation lies with Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'I Spy!', by [Samvida Venkatesh](#). © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

### Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle. Art Director: Kaveri Gopalakrishnan

### Images Attributions:

Cover page: [Playing I Spy](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Smiling birthday girl](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Children celebrating a friend's birthday](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Girls talking and playing hide and seek](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [Friends at a birthday party](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [A boy saying goodbye to his friends](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Children playing I Spy](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [A girl tripping over a mat and falling down](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [A girl running after a dog](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [A girl looking behind a pile of mattresses and inside a trunk](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>



The development of this book has been supported by Oracle.

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

### Images Attributions:

Page 11: [Two boys sitting inside a dusty cupboard](#) by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [Water tank and pots](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [Girl finds a boy and a cat playing on the terrace](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [Girls running away from a bee in the garden](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: [Children at a birthday party looking surprised](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: [Girls offering a piece of cake to their friend](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: [A girl giving her friend a piece of cake](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: [A group of eight children](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: [A group of eight children](#), by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: [Girl counting rajma and coins](#) by [Sandhya Prabhat](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

The Oracle logo, which consists of the word "ORACLE" in a white, uppercase, sans-serif font, centered within a solid red rectangular background.

The development of this book has been supported by Oracle.

# छुपन छुपाई!

(Hindi)

सानिया के जन्मदिन की पार्टी में छुपन छुपाई जैसा आम खेल कुछ ज़्यादा ही मज़ेदार हो गया जब उसमें कुत्ते, बिल्लियाँ और मधुमक्खियाँ भी कूद पड़ीं! क्या सानिया सारे दोस्तों को ढूँढ पाती है? जन्मदिन के जश्न के बीच बच्चों को क्या कुछ मज़ेदार ढ़ंग से सीखने को मिलता है, यह जानने के लिए शामिल होते हैं सानिया के जन्मदिन की पार्टी में!

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!